हिंदुस्तान पावर परिसर में मना अग्निशमन सेवा दिवस

जैतहरी। "जिंदगियों और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए उच्च प्रशिक्षित अग्निशमन कर्मियों की तैनाती हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अग्निकांड मानव सभ्यता के अस्तित्व के लिए सबसे बड़े खतरों में शामिल रहे हैं, इसलिए इसके प्रति अधिकतम चौकसी बरती जानी चाहिए।" हिंदुस्तान पावर के परिचालन एवं अनुरक्षण प्रमुख सीएन पार्थसारथि ने राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के मौके पर कंपनी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में यह कहा।

इस मौके पर उन अग्निशमन कर्मियों की शहादत को याद किया गया, जिन्होंने 1944 में आज ही के दिन बाम्बे विक्टोरिया बंदरगाह अग्निकांड में अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए जान गंवाई थी। कंपनी के मुख्य सलाहकार (ताप विद्युत संयंत्र परिचालन) वीके रेड्डी ने कहा, "आग बुझाना दुनिया के सबसे जोखिम भरे कार्यों में से एक है। संयंत्र में तैनात उच्च प्रशिक्षित अग्निशमन दल की तैनाती बढ़ती चुनौतियों के निदान में अनिवार्य है।" कार्यक्रम में मुंबई बंदरगाह कांड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। कंपनी कर्मियों को अग्नि सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

ईएचएस विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अग्निशमन कर्मियों ने राहत और बचाव रणनीतियों की व्यावहारिक झलकियां पेश कीं और कई तरह के अग्निकांडों से निपटने का व्यापक ड्रिल पेश किया गया।

आग में घिरे इंसान को सुरक्षा कैसे दी जाए, घायलों को कैसे फौरन अस्पताल पहुंचाया जाए, इस बाबत व्यापक ड्रिल पेश किया गया। पानी की बौछारों, फोम और ड्राई केमिकल से आकाश में तिरंगे की छटा पर खूब तालियां बजीं।

कई कर्तव्यनिष्ठ अग्निशमन कर्मियों को उपहार देकर पुरस्कृत किया गया। कारपोरेट ईएचएस प्रमुख किशोर भारद्वाज ने कहा कि हमारा अग्निशमन दल इस जिले में बेहतर विशेषज्ञता दल के रूप में उभरा है, क्योंकि हम आस-पास के इलाकों में भी लोगों की मदद करते हैं।

कार्यक्रम में कंपनी के मानव संसाधन, प्रशासन एवं सुरक्षा विभाग के प्रमुख राजीव सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

14 अप्रैल, 1944 को बाम्बे बंदरगाह पर एसएस फोर्ट स्टीकाइन नामक जहाज में विस्फोट से भीषण नुकसान हुआ था। विस्फोटकों और अन्य ज्वलनशील पदार्थों से लैस इस जहाज में सिलसिलेवार विस्फोट से भयानक आग लग गई, जिसकी चपेट में 12 और जहाज आ गए। इसमें 800 से 1300 लोग मारे गए, करीब 3000 लोग जख्मी हुए, वहीं 80,000 लोग बेघर हो गये। इस आपदा से निपटने में 66 अग्निशमन कर्मी शहीद हो गये।

इस त्रासदी के सम्मान में भारत सरकार ने इस तारीख को अग्निशमन सेवा दिवस के तौर पर घोषित किया। कंपनी के मानव संसाधन विभाग के उप महाप्रबंधक आर.के. सहाय ने धन्यवाद ज्ञापन पेश किया। उन्होंने आम लोगों में अग्निशमन के प्रति जागरूकता पर भी बल दिया।